श्रीलंका से जीतकर भी हारा पाक

न्यूजीलैंड को मिला सेमीफाइनल का टिकट

पल्लेकेले, 28 फरवरी . टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान का सफर खत्म हो गया है. शनिवार को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ 5 रनों से जीत दर्ज करने के बावजूद पाकिस्तान सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सका.

वहीं, न्यूजीलैंड ने अंतिम चार में अपनी जगह बना ली है. पाकिस्तान से मिले 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका 6 विकेट खोकर 207 रन ही बना सकी. पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए श्रीलंका को 147 या उससे कम रनों पर रोकना था. हालांकि, मेहमान टीम के गेंदबाज ऐसा करने में नाकाम रहे. पाकिस्तान से मिले 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही. पथुम निसांका 7 गेंदों का सामना करने के बाद महज 3 रन बनाकर आउट हुए. कामिल मिशारा अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे, और वह 26 रन बनाकर आउट हुए. चरित असंलका को 25 रनों के स्कोर पर अबरार अहमद ने क्लीन बोल्ड करते हुए पवेलियन भेजा. कामिंडु मेंडिस सिर्फ 3 रन ही बना सके, जबकि जनिथ लियानागे 5 रन बनाकर आउट हुए. पवन रत्नायके ने एक छोर संभाले रखा और उन्होंने 37 गेंदों में 58 रनों की दमदार पारी खेली. अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 4 चौके और 3 छक्के लगाए. वहीं, कप्तान दासुन शनाका ने अंतिम ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 31 गेंदों में 76 रनों की नाबाद पारी खेली, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके.

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शतरंज खिलाड़ी मित्रा ने की मुलाकात

रांची. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शनिवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राष्ट्रमंडल शतरंज चैंपियनशिप 2025 में (अंडर-14) स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी अधिराज मित्रा ने मुलाकात की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री सोरेन के समक्ष जमशेदपुर के युवा शतरंज खिलाड़ी मित्रा ने 7 से 16 नवंबर 2025 तक मलेशिया में आयोजित हुई राष्ट्रमंडल शतरंज प्रतिस्पर्धा के अनुभव साझा किए. उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में राष्ट्रमंडल देशों के कई शीर्ष खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था. सोरेन को मित्रा ने अवगत कराया कि वे लोयला स्कूल जमशेदपुर में 8वीं कक्षा के छात्र हैं. मुख्यमंत्री सोरेन ने मित्रा को अपनी ओर से हार्दिक बधाई दी. मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे राज्य के खिलाड़ियों में खेल के प्रति जज्बा और प्रतिभा सराहनीय रहा है. झारखंड के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपने प्रदर्शन का लोहा मनवाते हुए राज्य का नाम रोशन कर दिखाया है.

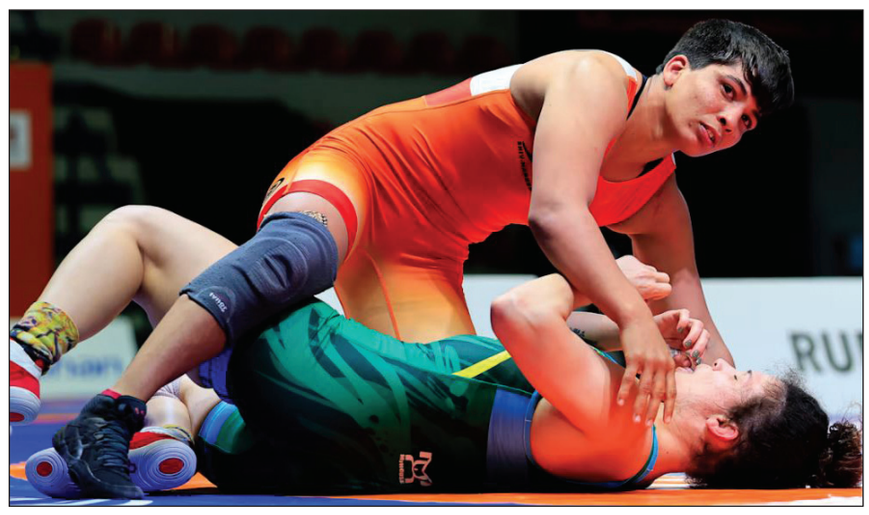

रेसलिंग टूर्नामेंट : 62 किग्रा स्पर्धा में सविता ने जीता कांस्य पदक

तिराना (अल्बानिया), 28 फरवरी. भारतीय पहलवान सविता ने मुहामेट मालो 2026 रेसलिंग टूर्नामेंट में महिलाओं की 62 किग्रा फ्रीस्टाइल कैटेगरी में कांस्य पदक जीता.

शुक्रवार को खेले गये मुकाबले में अंडर 17 और अंडर 20 वर्ल्ड चैंपियन रह चुकी 20 वर्षीय भारतीय पहलवान सविता ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज स्पर्धा में अपना पहला पोडियम अमेरिका की 2025 जाग्रेब ओपन चैंपियन अडाउगो न्वाचुक्वू पर 7-5 से करीबी जीत के साथ पक्का किया. इससे पहले ड्रॉ में, सविता ने क्वालिफिकेशन राउंड में ब्राजील की ओलंपियन लाइस नून्स को हराया. वह क्वार्टर फाइनल में 59 किग्रा की यूरोपियन चैंपियन अनास्तासिया सिडेलनिकोवा से 12-2 से हार गईं. सिडेलनिकोवा के फाइनल में पहुंचने के साथ, सविता को कांस्य पदक जीतने का मौका मिला और उन्होंने सीनियर यूडब्ल्यूडब्ल्यू टूर्नामेंट में अपना पहला पक्का किया.

भारत दिन में दो और पदक से चूक गया, जब अपेक्षा विट्ठल पाटिल (65 किग्रा) और कीर्ति (68 किग्रा) अपने-अपने कांस्य पदक मुकाबलों में हार गईं. वहीं ग्रीको-रोमन में, निशांत फोगट और अमन 77 किग्रा भार वर्ग में पदक राउंड से पहले ही बाहर हो गए. इसी के साथ टूर्नामेंट में भारत की पदकों की संख्या चार हो गई. भारत ने टूर्नामेंट में एक स्वर्ण, रजत और दो कांस्य पदक जीते है.

एक नजर में

कतर ने भारतीय बास्केटबॉल टीम को हराया

लुसैल (कतर). भारतीय बास्केटबॉल टीम को कतर के खिलाफ अपने तीसरे फीबा विश्वकप 2027 क्वालिफायर ग्रुप डी मुकाबले में 99-73 से हार का सामना करना पड़ा. शनिवार को लुसैल मल्टीपर्पस हॉल में खेले गये मुकाबले में

ब्रैंडन गुडविन ने मेजबान टीम के लिए सबसे अधिक 23 अंक बनाए, जबकि कंवर संधू 15 अंक के साथ दुनिया के 75वें नंबर की भारतीय टीम के शीर्ष स्कोरर रहे. प्रिंसपाल सिंह ने भारत के लिए फ्री थ्रो से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया, इससे पहले ब्रैंडन गुडविन और टायलर हैरिस ने कतर को मैच पर नियंत्रण करने में मदद की, जिससे मेजबान टीम पहले क्वार्टर के आखिर में 28-17 से आगे हो गई. भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत कंवर संधू के थ्री-पॉइंटर से की, जिसने पूरे समय के लिए माहौल बनाया. उन्होंने दूसरे क्वार्टर में कतर को 26-17 से हराया, जिससे ब्रेक तक स्कोर 45-43 हो गया. इसके बाद विश्व नंबर 78 कतर ने तीसरे क्वार्टर में भारत को 30-9 से हराकर मैच पर पूरा नियंत्रण कर लिया, जो आखिर में अंतर साबित हुआ. गेम को तय करने वाले तीसरे क्वार्टर के बाद, भारत ने चौथे क्वार्टर में मोमेंटम वापस पाने की कोशिश की और 21 अंक बनाने में कामयाब रहा - जो कतर से अभी भी तीन कम हैं.

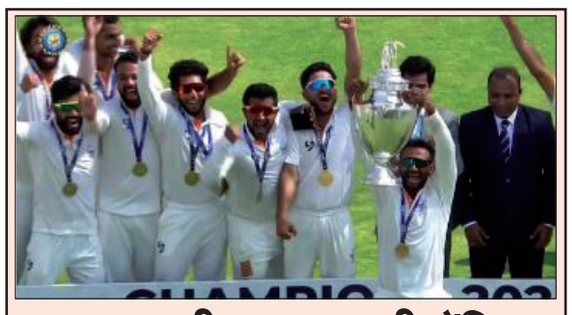

जम्मू-कश्मीर बना रणजी चैंपियन

हुबली, 28 फरवरी. जम्मू-कश्मीर की टीम ने नया इतिहास रच दिया. जम्मू कश्मीर ने कर्नाटक के साथ खिताबी मुकाबला पांचवें दिन शनिवार को ड्रा होने के साथ ही नये रणजी चैंपियन बनने का गौरव हासिल कर लिया.

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला यह ऐतिहासिक क्षण देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद थे. जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने जैसे ही अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 342 रन पर घोषित की उसके खिलाड़ी मैदान पर जश्न मनाने लगे. स्थानीय समयानुसार दोपहर के 2.10 बज चुके थे. दोनों कप्तानों ने हाथ मिलाने का फैसला किया, जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर खिताब अपने नाम किया. जम्मू-कश्मीर को यह नामुकिन जीत हासिल करने में 67 साल लग गये. लेकिन आखिर यह संभव हो गया.

लवलीना, निकहत भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी

28 मार्च से मंगोलिया में एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप

नयी दिल्ली, 28 फरवरी. ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन और दो बार की वर्ल्ड चैंपियन निकहत जरीन, 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में 20 सदस्यों वाली भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी.

सिलेक्शन पॉलिसी के अनुसार, कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स 2026 के लिए अप्रूव्ड वेट कैटेगरी में एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 के फाइनलिस्ट को संबंधित मल्टी-स्पोर्ट टीमों के लिए डायरेक्ट एंट्री के तौर पर चुना जाएगा. इसलिए, कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यह मेडल जीतने का मौका है और आने वाले मल्टी-स्पोर्ट इवेंट्स के लिए एक अहम क्वालिफिकेशन का रास्ता भी है.

लवलीना (75 किग्रा), जिन्होंने हाल ही में स्पेन में बॉक्सम एलीट 2026 चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था, प्रीति (54), अरुंधति चौधरी (70), और प्रिया (60) के साथ महिला स्क्वॉड में मुख्य भूमिका निभाएंगी, इन सभी ने स्पेन में भी गोल्ड जीता था और लगातार अच्छा फॉर्म दिखाया है.

> उनके साथ मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन मीनाक्षी (48) और जैस्मीन (57) भी होंगी. बाकी कैटेगरी में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल की गोल्ड मेडलिस्ट निकहत जरीन (51), अंकुशिता बोरो (65), पूजा रानी (80), और अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80) शामिल हैं, जो एक अच्छी स्क्वॉड को पूरा करती हैं जिसमें अनुभव और उभरती हुई प्रतिभा का मेल है. पुरुषों की कैटेगरी में, वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल और बॉक्सम चैंपियनशिप 2026 के गोल्ड मेडलिस्ट सचिन (60) टीम को लीड कर रहे हैं. उनके साथ आकाश (75) भी हैं, जिन्होंने स्पेन में गोल्ड जीता था, साथ ही सिल्वर मेडलिस्ट दीपक (70) और अंकुश (80) भी हैं.

डेरिल बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई, 28 फरवरी. न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज डेरिल मिशेल ने जनवरी 2026 के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीता है. उन्होंने लगातार दो शतक लगाकर न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जीत दिलाई थी.

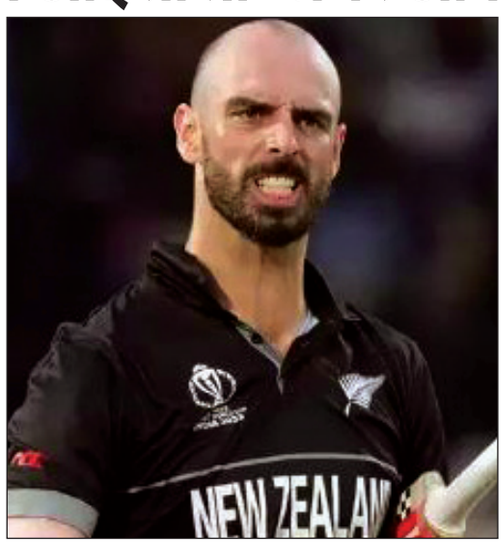

न्यूजीलैंड के मिशेल ने भारत के टी-20 कैप्टन सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट को पीछे छोड़कर यह पुरस्कार जीता. जनवरी में भारत में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में, न्यूजीलैंड ने 0-1 से पिछड़ने के बाद 2-1 से जीत हासिल की. मिशेल ने दूसरे मैच में नाबाद 131 रन बनाकर अपनी टीम की वापसी कराई और तीसरे मैच में 137 रन बनाकर अपनी टीम को 337/8 के मैच जिताने वाले स्कोर तक पहुंचाया.

उन्होंने 176 की औसत से 352 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार जीता. अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर, मिशेल ने आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भी नंबर वन जगह हासिल कर ली. इसके बाद पांच मैचों की टी-20 सीरीज में, उन्होंने 186.56 के स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए.

कोई स्टार कल्चर नहीं, सिर्फ़ टीम का विश्वास : कोच अजय

हुबली. 'टीम में कोई स्टार कल्चर नहीं है.' यही आसान सोच जम्मू और कश्मीर के रणजी ट्रॉफी फाइनल तक के ऐतिहासिक प्रदर्शन की नींव बनी, जिसने क्रिकेटरों के एक युवा ग्रुप को भारतीय घरेलू क्रिकेट की सबसे प्रेरणा देने वाली अंडरडॉग सफलता की कहानियों में से एक बना दिया.

जहां कई टीमें अकेले मैच जीतने वालों पर भरोसा करती हैं, वहीं जम्मू और कश्मीर ने अपना कैंपेन एकता, अनुशासन और रोल-बेस्ड परफॉर्मेंस पर बनाया. हेड कोच अजय शर्मा ने कहा कि खिलाड़ियों को रेप्युटेशन या फ्रेंचाइजी क्रिकेट की शोहरत के बजाय कंसिस्टेंसी, स्वभाव और मैच अवेयरनेस के आधार पर चुना और तैयार किया गया. इस तरीके का बहुत फ़ायदा हुआ क्योंकि जम्मू और कश्मीर ने अपने कैंपेन के दौरान कई पूर्व रणजी ट्रॉफी चैंपियन को हराया, जिससे यह साबित हुआ कि घरेलू क्रिकेट में मिलकर की गई कोशिश अक्सर स्टार-ड्रिवन क्रिकेटिंग स्ट्रक्चर से बेहतर परफॉर्म कर सकती है.

खेलों इंडिया तीरंदाजी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शनिवार को रानी लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय महिला खेलो इंडिया तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ. आज यहां मुख्य अतिथि राज्य की महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग मंत्री बेबी रानी मौर्य उत्तर प्रदेश ने तीरंदाजी संघ द्वारा आयोजित रानी लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय महिला खेलों इंडिया तीरंदाजी प्रतियोगिता का धनुष से तीर चलाकर उद्घाटन किया. एनटीपी द्वारा प्रायोजित इस प्रतियोगिता में 266 महिला खिलाड़ी भाग ले रही है. कुल 11 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी. इस अवसर पर तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष वनीश कुमार अवस्थी, विशिष्ट अतिथि के रूप में सुहास एल वाई (सचिव, खेल एवं युवा कल्याण, उत्तर प्रदेश) तथा हरविंदर सिंह (अर्जुन पुरस्कार एवं पद्मश्री से सम्मानित, पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता) मौजूद थे. हरविंदर सिंह ने अपने प्रेरणादायी अनुभव साझा करते हुए उत्तर प्रदेश की खेल नीति की सराहना की तथा राज्य में तीरंदाजी के उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना का प्रस्ताव रखा.

दिल्ली महिला टीम ने सीनियर एकदिवसीय ट्रॉफी जीती

नयी दिल्ली, 28 फरवरी . दिल्ली महिला क्रिकेट टीम ने सीनियर महिला एकदिवसीय ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की और पहली बार खिताब अपने नाम किया. फाइनल मुकाबले में टीम ने बेहतरीन सामूहिक खेल का प्रदर्शन किया. दिल्ली की ओर से प्रिया पुनिया ने 76 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि प्रज्ञा रावत ने 46 रन जोड़कर टीम की जीत की मजबूत नींव रखी. गेंदबाजी में सोनी यादव, प्रियंका शेषाद्रि और दिशा नागर की सटीक व अनुशासित गेंदबाजी के सामने रेलवे महिला क्रिकेट टीम 133 रन पर सिमट गई. इसके बाद दिल्ली ने लक्ष्य 7 विकेट से हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया. यह उपलब्धि दिल्ली और जिला क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के लिए विशेष महत्व रखती है, क्योंकि यह महिला सीनियर एकदिवसीय प्रतियोगिता में उसकी पहली चैम्पियनशिप है.

सोभना को आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार

दुबई. महिला टी-20 विश्व कप वैश्विक क्वालिफायर में शानदार प्रदर्शन करने वाली बांग्लादेश की बल्लेबाज सोभना मोस्तारी को जनवरी 2026 के लिए आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है. बांग्लादेश की इस बल्लेबाज को आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस और अमेरिकन लेफ्ट-आर्म पेसर तारा नोरिस के साथ नॉमिनी किया गया था. पिछले महीने वैश्विक क्वालिफायर में मोस्तारी ने पहले छह मैचों में 45.80 के एवरेज और 145.85 के स्ट्राइक रेट से 229 रन बनाए थे. उन्होंने टीम को खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी. बांग्लादेश ने जून और जुलाई में थाईलैंड पर 39 रन की जीत के साथ इस बड़े प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह पक्की की.

टूर्नामेंट | 72 द लीग की घोषणा ने नये आयाम जोड़े

पीजीटीआई ने की 2026 सत्र की मजबूत शुरुआत

नयी दिल्ली, 28 फरवरी (वार्ता) 2026 सत्र के पहले महीने ने साफ संकेत दिए हैं कि डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई अब दायरे, मजबूती और प्रभाव - तीनों स्तरों पर आगे बढ़ रहा है. कम समय के भीतर टूर ने नया रायपुर, दिल्ली और कोलकाता में तीन बड़े और ऊंची इनामी राशि वाले टूर्नामेंट आयोजित किए.

इसके बाद 72 द लीग की घोषणा ने इस पूरे परिदृश्य में एक नया आयाम जोड़ दिया. इन सभी घटनाक्रमों से यह साफ है कि टूर केवल भौगोलिक विस्तार नहीं कर रहा, बल्कि अपनी गुणवत्ता, गंभीरता और असर भी बढ़ा रहा है. इस प्रगति का सबसे बड़ा संकेत इनामी राशि में बढ़ोतरी है. सत्र के शुरुआती घरेलू चरण में डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ने 1.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि वाले तीन टूर्नामेंट आयोजित किए. यानी शुरुआती चरण में ही कुल 4.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दांव पर रही. भारतीय पेशेवर गोल्फ के लिए यह एक महत्वपूर्ण आर्थिक बढ़त है. एसईसीएल छत्तीसगढ़ ओपन की इनामी राशि का 1 करोड़ से बढ़कर 1.5 करोड़ रुपये होना इसका बड़ा उदाहरण है. खिलाड़ियों के लिए यह अधिक प्रोत्साहन और ज्यादा प्रतिस्पर्धी मौके लेकर आया है, जबकि प्रायोजकों और भागीदारों के लिए यह टूर की बढ़ती साख और उपयोगिता को दर्शाता है.

> सत्र की शुरुआत 3 से 6 फरवरी तक नया रायपुर में खेले गए एसईसीएल छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैम्पियनशिप से हुई. यह टूर्नामेंट सिर्फ अपनी 1.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि के कारण ही नहीं, बल्कि इसलिए भी खास रहा क्योंकि इसका आयोजन किसी पारंपरिक महानगर के बजाय एक उभरते बाजार में हुआ. इससे यह साबित हुआ कि पेशेवर गोल्फ अब अपने स्थापित केंद्रों से बाहर भी ध्यान आकर्षित कर सकता है और मजबूत प्रतिस्पर्धा पेश कर सकता है. अमेरिकी खिलाड़ी झेरेड हैक ने अंतिम दौर में शानदार 59 का कार्ड खेलते हुए पांच शॉट से जीत दर्ज की और इस आयोजन को खास बना दिया. इसके बाद 10 से 13 फरवरी के बीच दिल्ली के कुतुब गोल्फ कोर्स में पहली डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैम्पियनशिप खेली गई. इस प्रतियोगिता की इनामी राशि भी 1.5 करोड़ रुपये थी. हनी बैसोया विजेता बने और उन्हें 22.50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिली. राजधानी में ऐसे टूर्नामेंट का सफल आयोजन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दिल्ली प्रशासन, प्रायोजकों, नीति-निर्माताओं और राष्ट्रीय मीडिया का केंद्र है.